भाकृअनुप ICAR | प्या ल अनु नि DOGR

खंड 21 | अंक 1 | जनवरी–जून, 2017
Volume 21 | No. 1 | January-June, 2017

भाकृअनुप–प्यालअनुनि समाचार
ICAR-DOGR News

इस अंक में / In this issue

अनुसंधान उपलब्धियां
Research Highlights

- भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की किस्मों का पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण में पंजीकरण
  ICAR-DOGR Varieties Registered with PPV&FRA
- कैलस के माध्यम से जड़ सिरा का उपयोग करके लहसुन में पादपक पुन:जनन प्रोटोकॉल
  Plantlet regeneration protocol in garlic using root tip meristem through callus
- उभरता नाशीजीव: चुकन्दर आर्मीवर्म, *स्पोडोप्टेरा एक्सिगुआ*
  Emerging pest : Beet Army worm, *Spodoptera exigua*

संस्थान की गतिविधियां
Institutional Activities

प्रशिक्षणों का आयोजन
Trainings organized

प्रदर्शनियों में सहभाग
Participation in Exhibitions

मानव संसाधन विकास
Human Resource Development

कार्मिक
Personnel

संकलन एवं संपादन
Compiled and Edited by

डॉ. शैलेन्द्र शं. गाडगे/Dr. Shailendra S. Gadge
श्रीमती अश्विनी प्र. बेनके/Mrs. Ashwini P. Benke
डॉ. सौम्या पी.एस./Dr. Soumia P.S.
डॉ. मेजर सिंह /Dr. Major Singh

प्रकाशक / Published by

डॉ. मेजर सिंह, निदेशक
Dr. Major Singh, Director

निदेशक की ओर से / From Director's Desk

इस वर्ष हमारे देश में प्याज एवं लहसुन फसलों के क्षेत्र में वृद्धि होने तथा अनुकूल मौसम परिस्थितियां बने रहने के कारण इनका रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया गया। विशेषकर प्याज उत्पादन में हमारे देश ने लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्र से 200 लाख टन से भी अधिक के आंकडे को पार किया। इससे बाजार में प्याज की बहुतायत हुई जिससे मूल्यों में कमी आने के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। हमारा सुझाव है कि किसानों को प्याज का भण्डारण 3–4 माह तक करना चाहिए क्यों कि आने वाले समय में प्याज के मूल्यों में वृद्धि होने की संभावना है। प्याज के बेहतर भण्डारण के लिए भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा सतह तथा बाजू में हवादार भण्डार गृहों की सिफारिश की जाती है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, तीन प्याज किस्मों यथा भीमा किरण, भीमा रेड तथा भीमा राज और लहसुन की एक किस्म भीमा ओमकार को पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली के

Our country had record production of onion and garlic this year due to increase in area under these crops and favourable weather conditions. Particularly in onion, the production in our country has crossed 200 lakh tons from an area of about 13 lakh hectares. This has led to glut in market and as a result onion prices decreased causing loss to the farmers. We suggest that the farmers should store onions for 3-4 months as the rates are expected to rise in due course. Bottom and side ventilated storage structures are recommended by ICAR-DOGR for better onion storage.

During the period, three onion varieties *viz.*, Bhima Kiran, Bhima Red and Bhima Raj and one garlic variety Bhima Omkar have been registered with PPV&FRA, New Delhi. Between January to June

साथ पंजीकृत कराया गया। जनवरी से जून, 2017 के बीच, निदेशालय द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें शामिल थे; जन जातीय उप–परियोजना और मेरा गांव–मेरा गौरव परियोजना के तहत प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन; निदेशालय के मोबाईल ऐप की शुरूआत, संस्थान अनुसंधान समिति एवं अनुसंधान परामर्श समिति की बैठकें। इसके अलावा, स्वच्छ भारत पखवाडा, स्थापना दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आदि मनाए गए।

मैं, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों में जरूरी सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में हितधारकों की सक्रिय भागीदारी तथा सुझावों का स्वागत करता हूं, जिसके माध्यम से प्याज एवं लहसुन की खेती से संलग्न किसान समुदाय को लाभ होगा।

(मेजर सिंह, निदेशक)

2017, the Directorate organized a number of programmes including trainings and demonstrations under TSP and MGMG schemes, launching of ICAR-DOGR Mobile App, IRC and RAC meetings, and celebrated Swachh Bharat Pakhwara, foundation day, International yoga day, etc. events.

I look forward to suggestions and active participation of stakeholders in various programmes for necessary improvement in research and extension activities of ICAR-DOGR through which farming community engaged in onion and garlic cultivation gets benefitted.

(Major Singh, Director)

अनुसंधान उपलधियां

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की किस्मों का पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण में पंजीकरण

प्याज की तीन किस्मों यथा भीमा किरण, भीमा रेड एवं भीमा राज तथा लहसुन की एक किस्म भीमा ओमकार को संरक्षण के प्रयोजन से पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली में विद्यमान श्रेणी के अंतर्गत पंजीकृत किया गया जबकि प्याज की पांच किस्मों यथा भीमा डार्क रेड, भीमा शक्ति, भीमा श्वेता, भीमा शुभ्रा एवं भीमा सुपर और लहसुन की किस्म भीमा ओमकार को पंजीकरण/डीयूएस परीक्षण के तहत पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा परखा जा रहा है। भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय किस्मों के अलावा, प्याज की तीन किस्मों यथा एनएचआरडीएफ रेड (एल–28), एनएचआरडीएफ रेड–2 (एल–355), फुले समर्थ एवं चार लहसुन किस्मों यथा जेजी–99–213 (गुजरात गार्लिक), यमुना सफेद–4 (जी–323), एग्रीफाउण्ड पार्वती तथा यमुना सफेद–8 (जी–384) का भी अन्य संगठनों द्वारा पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली के साथ पंजीकरण किया गया।

Research Highlights

ICAR-DOGR Varieties Registered with PPV & FRA

Three onion varieties *viz.,* Bhima Kiran, Bhima Red and Bhima Raj, and one garlic variety Bhima Omkar have been registered under extant category with PPV&FRA, New Delhi for protection whereas five onion varieties *viz.*, Bhima Dark Red, Bhima Shakti, Bhima Shweta, Bhima Shubhra and Bhima Super, and garlic variety Bhima Omkar are under registration/ DUS Testing by PPV&FRA. In addition to ICAR-DOGR varieties, three onion varieties *viz.*, NHRDF RED (L-28), NHRDF RED-2 (L 355), Phule Samarth and four garlic varieties *viz.*, JG-99-213 (Gujarat Garlic), Yamuna Safed-4 (G-323), Agrifound Parvati and Yamuna Safed-8 (G-384) have also been registered with PPV & FRA from other organizations.

फसल Crop	किस्म Variety	आवेदन संख्या Application No.	पंजीकरण संख्या Registration No.
प्याज (*एलियम सीपा* एल.) Onion (*Allium cepa* L.)	भीमा राज (बी-780-5-2-2) Bhima Raj (B-780-5-2-2)	इ2 एसीC3 14 1300 दिनांक 1.7.2014 E2 AC3 14 1300 dated 1.7.2014	2015 की 262 दिनांक 19.10.2015 262 of 2015 dated 19.10.2015

फसल Crop	किस्म Variety	आवेदन संख्या Application No.	पंजीकरण संख्या Registration No.
	भीमा किरण (डीओजीआर –597) Bhima Kiran (DOGR-597)	इ1 एसी8 15 2014 दिनांक 19.11.2015 E1 AC8 15 2014 dated 19.11.2015	2016 की 341 दिनांक 22.10.2016 341 of 2016 dated 22.10. 2016
	भीमा रेड (बी-780-5-3-1) Bhima Red (B-780-5-3-1)	इ2 एसी9 15 2015 दिनांक 26.11.2015 E2 AC9 15 2015 dated 26.11.2015	2016 की 342 दिनांक 22.10.2016 342 of 2016 dated 22.10.2016
लहसुन (*एलियम सैटाइवम* एल.) Garlic (*Allium sativum* L.)	भीमा ओमकार (एसी-200) Bhima Omkar (AC-200)	इ2 एएस4 16 681 दिनांक 6.6.2016 E2 AS4 16 681 dated 6.6.2016	2016 की 427 दिनांक 29.12.2016 427 of 2016 dated 29.12.2016

भीमा किरण/Bhima Kiran

भीमा रेड/Bhima Red

भीमा राज/Bhima Raj

भीमा ओमकार/Bhima Omkar

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की पंजीकृत प्याज व लहसुन की किस्में
Registered ICAR-DOGR varieties of onion and garlic

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन एवं मेजर सिंह
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and Major Singh

कैलस के माध्यम से जड़ सिरा का उपयोग करके लहसुन में पादपक पुन:जनन प्रोटोकॉल

लहसुन मूलत: एक गैर–पुष्पन वंध्य फसल है। इसलिए, इसमें आनुवंशिक विविधता पैदा करना मुश्किल होता है। हालांकि, विभिन्न फसलों में आनुवंशिक भिन्नता उत्पन्न करने के लिए *स्व: पात्रे* कैलस संवर्धन के उपयोग की सूचना मिली है। अत: लहसुन में एक परीक्षण किया गया। प्रारंभ में, लहसुन की दो किस्मों यथा भीमा ओमकार और भीमा पर्पल के जड़ सिरों को 2,4–डी की सांद्रता के दो स्तरों और बीए (1 मिग्रा./लि.), काइनेटिन (2.25 मिग्रा./लि.) एवं पिक्लोरम (0.25 मिग्रा./लि.) की सांद्रता के एक स्तर के साथ बी–5 मीडियम वाले मीडिया संयोजनों से उत्प्रेरित चार भिन्न कैलस पर संरोपित किया गया। कैलस उत्प्रेरण 2,4–डी (0.7 मिग्रा./लि.) तथा बीएपी (1 मिग्रा./लि.) वाले मीडिया संयोजन बीए में अधिकतम पाया गया। 2,4–डी (0.7 मिग्रा./लि.) के एक स्तर और बीए के तीन स्तरों के साथ बी–5 धारण करने वाली तीन भिन्न कैलस उत्पन्न करने वाली मीडिया पर विकसित कैलस का पुन: टीकाकरण किया गया। एक माह पश्चात् 2,4–डी(0.7 मिग्रा./लि.) तथा बीएपी (0.1 मिग्रा./लि.) के साथ मीडिया बी–5 में स्वस्थ पीले रंग का कैलस प्रसार हासिल किया गया जो कि बाद में 2,4–डी (0,0.1,0.2 एवं 0.3 मिग्रा./लि.) तथा बीए (0 व 1 मिग्रा./लि.) के साथ मीडिया बी–5 का पुनर्जनन करने वाले प्ररोह में स्थानान्तरित हुआ। समान मीडिया संयोजनों पर दो बार उप संवर्धन करने के उपरान्त 2,4–डी (0.1 मिग्रा./लि.) से अनुपूरित बी–5 मीडियम में स्वस्थ पादपक हासिल किए गए। विकसित प्ररोह को पुन: काइनेटिन (1 मिग्रा./लि.) के साथ बी–5 मीडिया रखने वाली टयूब्स में स्थानान्तरित किया गया। तदुपरान्त, अच्छी तरह से बढ़े हुए पौधों को कंदीकरण के लिए काइनेटिन (1 मिग्रा./लि.) एवं शर्करा (6%) धारण करने वाली मीडिया बी–5 में स्थानान्तरित किया गया। अत: सोमाक्लोनल भिन्नता अध्ययनों के लिए और कैलस अवस्था में रासायनिक उत्परिवर्तजन का उपयोग करके कैलस संवर्धन के माध्यम से पौधों का पुनर्जनन करने हेतु प्रोटोकॉल का मानकीकरण किया गया।

Plantlet regeneration protocol in garlic using root tip meristem through callus

Garlic is basically a non flowering sterile crop. Therefore, it is difficult to create genetic variation in it. However, use of *in vitro* callus culture for inducing genetic variation has been reported in various crops. Hence, an experiment was carried out in garlic. Initially, root tips of two garlic varieties *viz.,* Bhima Omkar and Bhima Purple were inoculated on four different callus inducing media compositions containing B5 medium with two level of concentrations of 2,4-D and one level of concentration of BA (1 mg/L), kinetin (2.25 mg/L) and picloram(0.25 mg/L). Callus induction was found maximum in media composition BA with 2,4-D (0.7 mg/L) and BAP (1mg/L). Developed callus was again inoculated on three different callus proliferating media containing B5 with one level of 2,4-D (0.7mg/L) and three levels of BA. After one month, healthy yellowish coloured callus proliferation has been achieved in media B5 with 2,4-D (0.7mg/L) and BAP (0.1 mg/L) which was afterwards shifted to shoot regenerating media B5 with 2,4-D(0,0.1,0.2 and 0.3 mg/L) and BA(0 and 1mg/L). After two sub culturing on same media combinations, healthy plantlets were obtained in B5 medium supplemented with 2,4-D (0.1mg/L). Developed shoots were further shifted to tubes containing B5 media with kinetin (1mg/L). Subsequently, well elongated plants were shifted to media B5 containing kinetin (1mg/L) plus 6% sugar for bulbing. Thus, protocol for regeneration of plants through callus culture has been standardized for further somaclonal variation studies and by using chemical mutagens at callus stage.

चरण 1
कैलस का उत्प्रेरण
बीए के साथ 2,4–डी (0.7 मिग्रा./लि.) तथा बीएपी (1 मिग्रा./लि.)

Step-1
Induction of callus
BA with 2,4-D (0.7 mg/L) and BAP (1mg/L)

3–4 सप्ताह/3-4 weeks

चरण – 2
कैलस का प्रसार
बी–5 के साथ 2,4–डी (0.7 मिग्रा./लि.) तथा बीएपी (0.1 मिग्रा./लि.)

Step-2
Proliferation of callus
B5 with 2,4-D (0.7mg/L) and BAP (0.1 mg/L)

3–4 सप्ताह /3-4 weeks

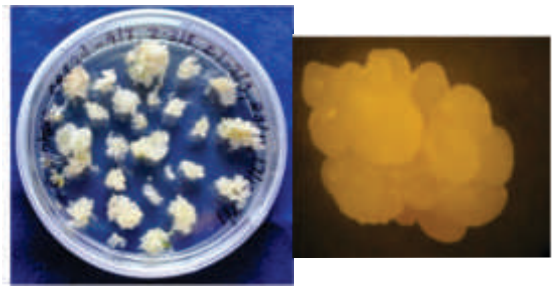

चरण – 3
प्ररोह का पुनर्जनन
बी–5 मीडिया के साथ 2,4–डी (0.1 मिग्रा./लि.)

Step-3
Regeneration of shoots
B5 media with 2, 4-D (0.1mg/L)

2–4 उप संवर्धन (प्रत्येक एक माह)
2-4 sub culturing (1 month each)

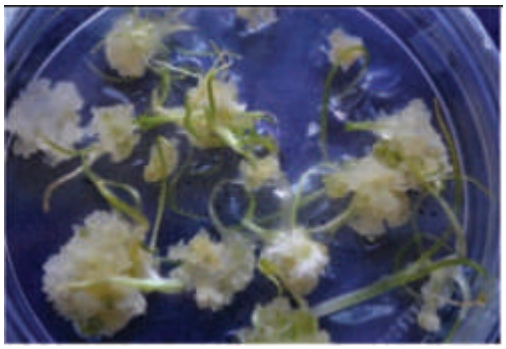

चरण –4
जड़ के पुनर्जनन के साथ पौधा स्थापना एवं प्ररोह का दीर्घीकरण
बी–5 मीडिया के साथ काइनेटिन (1 मिग्रा./लि.)

Step-4
Establishment of plant with regeneration of root and elongation of shoots
B5 media with kinetin (1 mg/L)

2–4 उप संवर्धन (प्रत्येक एक माह)
2-4 sub culturing (1 month each)

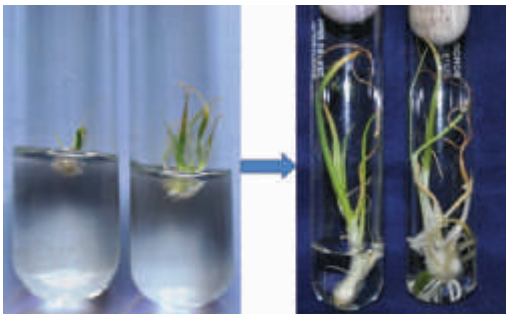

चरण –5
बल्ब उत्प्रेरण के साथ जड़ व प्ररोह दीर्घीकरण
बी–5 मीडिया के साथ काइनेटिन (1 मिग्रा./लि.) एवं सुक्रोज (6%)

Step-5
Root and shoot elongation with bulb induction
B5 media with kinetin (1 mg/L) and sucrose (6%)

2–उप संवर्धन / 2-subculturing

लहसुन में कैलस संवर्धन के माध्यम से पादपकों के पुन:जनन के चरण
Steps in regeneration of plantlets through callus culture in garlic

अश्विनी प्र. बेनके
Ashwini P. Benke

उभरता नाशीजीव: चुकन्दर आर्मीवर्म, *स्पोडोप्टेरा एक्सिगुआ*

रबी 2016 के दौरान, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय (भाकृअनुप–प्यालअनुनि), राजगुरूनगर, पुणे स्थित प्रयोगात्मक प्रक्षेत्रों में *स्पोडोप्टेरा एक्सिगुआ* हबनर (लेपिडोप्टेरा : नॉक्टूडिये) का आपतन दर्ज किया गया। तथापि इससे पहले प्याज के गौण नाशीजीव के रूप में इसकी रिपोर्ट पाई गई थी जबकि आजकल इसको नुकसानदायक स्तर पर पाया गया है जिसके कारण कीट नाशीजीव प्रबंधकों और किसानों द्वारा इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। यह एक विपत्रक है जहां अगेती लार्वा इनस्टार पत्तियों की बाह्य त्वचा पर पलते हैं जबकि पछेती इनस्टार दूर–दूर अकेले होते हैं और अनियमित बड़े सुराख बनाते हैं। प्रारंभिक अवधि के दौरान, संक्रमण दिखाई नहीं पड़ता क्योंकि युवा इनस्टार आकार में छोटे होते हैं और कम फीडिंग करते हैं। पुराने कैटरपिल्लर के कारण कुल विपत्रण होता है क्योंकि ये अन्य सभी अवस्थाओं को एकसाथ मिलाने की तुलना में भी कहीं अधिक खाते हैं। खुदाई

Emerging pest : Beet Army worm, Spodoptera exigua

Occurrence of *Spodoptera exigua* Hubner (Lepidoptera: Noctuidae), has been recorded from experimental plots at ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research (DOGR), Pune, during *rabi* 2016. Though earlier reported as a minor pest of onion, nowadays found in damaging levels that urges the great attention from insect pest managers and farmers. It is a defoliater, where early larval instars gregariously feed on the epidermal layers of the leaves while later instars are solitary and make large irregular bore holes. During initial period, infestation remains undetected as younger instars are smaller in size and feed less. Older caterpillars cause total defoliation as they eat more than all the other stages put together. In close proximity to harvest, larvae gradually move

आर्मीवर्म से संक्रमित खेत
Field infested with armyworm

(क) पत्ती, (ख) पुष्पछत्र तथा (ग) कंदों पर पल रहे लार्वा
Larvae feeding on (a) Leaf, (b) Umbel and (c) Bulbs

के समय के आसपास, लार्वा धीरे–धीरे कंद की ओर चले जाते हैं और भण्डारण में भी जा सकते हैं। एक वर्ग मीटर क्षेत्र में लगभग 2–4 अण्डा द्रव्यमान तथा 5–7 परिपक्व लार्वा/पत्ती पाए गए। अत्यधिक संक्रमित खेत में दूर से ही सफेद पेपरी धब्बे देखे गए (चित्र 1)। ऑर्मीवर्म अधिकांशत: पत्तियों पर पलते हैं लेकिन विशेष परिस्थितियों में ये बीज फसल को भी प्रभावित करते हैं जहां पुष्पीय डंठल तथा पुष्पछत्र को नुकसान पहुंचा (चित्र 2 क–ग)। चूंकि प्याज में *स्पोडोप्टेरा एक्सिगुआ* एक उभरता हुआ मुद्दा है, अत: इस पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

towards the bulb and may be carried to the store. About 2-4 egg mass in 1 sq meter area and 5-7 mature larvae/ leaf were observed. Heavily infested field was visible as white papery patches from a distance (Fig 1). Armyworms mostly feed on leaves, but under certain circumstances affects the seed crop where flower stalks and umbels were damaged (Fig 2. a-c). Since *S. exigua* in onion seems to be an emerging issue, it needs much attention.

सौम्या, पी.एस.; करूपैया, वी. एवं मेजर सिंह
Soumia, P. S., Karuppaiah, V. and Major Singh

संस्थान की गतिविधियां

जनजातीय उप–योजना के तहत गतिविधियां

कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार के सहयोग से सावरट और निंबोनी में जनजातीय उप–योजना के तहत नन्दुरबार के जनजातीय इलाकों में दिनांक 3–4 जनवरी, 2017 के दौरान ''प्याज व लहसुन की व्यावसायिक खेती'' पर एक दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नन्दुरबार के विभिन्न भागों से कुल 155 किसानों ने भाग लिया। भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए प्याज व लहसुन की खेती करने के बारे में किसानों को प्रशिक्षित किया गया। डॉ. ए. जे. गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) एवं नोडल अधिकारी (जनजातीय उप–योजना) द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया गया और नन्दुरबार में जनजातीय उप–योजना गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। श्री एम.एस. पन्हाले, परियोजना निदेशक (आत्मा); श्री पी.एस. लाटे, उप परियोजना निदेशक (आत्मा) एवं श्री आर.एम. पाटील, विषय विशेषज्ञ (बागवानी), कृषि विज्ञान केन्द्र, नन्दुरबार भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित थे। डॉ. गुप्ता ने प्याज की व्यावसायिक खेती और प्याज

Institutional Activities

Activities under TSP

A two-days training programme on "Commercial cultivation of onion and garlic" was organized during 3-4 January, 2017 in tribal belts of Nandurbar under TSP scheme in collaboration with KVK, Nandurbar at Savarat and Nimboni. A total of 155 farmers from different parts of Nandurbar participated in it. The farmers were trained for cultivation of onion and garlic by using ICAR-DOGR technologies. Dr. A.J. Gupta, Principal Scientist (Hort.) & Nodal Officer (TSP) coordinated the training programme and highlighted TSP activities in Nandurbar. Shri M.S. Panhale, Project Director (ATMA), Shri P.S. Late, Deputy Project Director (ATMA) and Mr. R.M. Patil, Subject Matter Specialist (Hort.), KVK, Nandurbar were also present in the programme. Dr. Gupta delivered lectures on commercial cultivation of onion and quality seed production of onion and garlic. Mr. Patil

व लहसुन का गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन पर व्याख्यान दिए। श्री पाटील ने प्याज में पौधशाला प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रबी 2016–17 के दौरान आयोजित कुल 41 प्रदर्शनों में से, 30 प्रदर्शन प्याज किस्मों यथा भीमा किरन एवं भीमा शक्ति के कंदीय उत्पादन पर; 10 प्रदर्शन प्याज किस्मों यथा भीमा शक्ति, भीमा सुपर एवं भीमा रेड के बीज उत्पादन पर; एवं एक प्रदर्शन लहसुन की किस्म भीमा पर्पल के उत्पादन पर था।

मेरा गांव–मेरा गौरव परियोजना के अंतर्गत गतिविधियां

मेरा गांव–मेरा गौरव परियोजना के अंतर्गत भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा कुल 15 गांवों नामत: गडाकवाडी, वरूडे, गुलानी, वाफगांव, जऊलके, रासे, दत्तवाडी, शेल पिम्पलगांव, भोसे, दौंडकरवाडी, गोसासी, मिटगुडवाडी, कान्हुर मेसाई, खैरेवाडी और खैरेनगर में विभिन्न गतिविधियां चलाई गईं। भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे के वैज्ञानिकों द्वारा अंगीकृत गांवों के किसानों को समय समय पर प्याज एवं लहसुन की उन्नत प्रौद्योगिकी के बारे में वैज्ञानिक जानकारी सुलभ कराई गई। इस योजना के तहत अंगीकृत गांवों में भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित की गईं खरीप प्याज किस्मों के कुल 15 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये। कुल मिलाकर, ग्रामीणों के साथ वैज्ञानिकों की कुल 43 बैठकें आयोजित की गईं और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही मेरा गांव–मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत अंगीकृत किए गए गांवों में वैज्ञानिक टीम द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता का सृजन किया गया। अंगीकृत गांवों में विभिन्न विषयों पर कुल 9 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए । इन विषयों में शामिल थे :– नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन; रबी प्याज की खुदाई एवं भण्डारण; खुदाई उपरांत प्रबंधन; खरीफ प्याज की खेती; पौधशाला तैयार करना आदि। भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे के वैज्ञानिक, ग्रामीणों के लगातार सम्पर्क में रहे और किसानों द्वारा विभिन्न फसलों की खेती में आने वाली भिन्न तकनीकी समस्याओं का समाधान करने के प्रयोजन से निदेशालय के वैज्ञानिकों द्वारा अंगीकृत गांवों का समय–समय पर दौरा किया गया। दिनांक 16 जून, 2017 को भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे का 20वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया जिसमें मेरा गांव–मेरा गौरव परियोजना के तहत अंगीकृत किए गए गांवों के कुल 40 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में, डॉ. एस.एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा प्याज एवं लहसुन की उन्नत खेती प्रौद्योगिकियां विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर किसानों को निदेशालय में चलाई जा रहीं प्याज व लहसुन संबंधी गतिविधियों को भी दिखाया गया।

elaborated on nursery management in onion. Out of 41 demonstrations during *rabi* 2016-17, thirty are on bulb production of onion varieties *viz.,* Bhima Kiran and Bhima Shakti, ten on seed production of onion varieties *viz.,* Bhima Shakti, Bhima Super and Bhima Red and one demonstration on garlic production of Bhima Purple.

Activities under Mera Gaon Mera Gaurav scheme

Under *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme, activities were carried out in fifteen villages *viz.,* Gadakwadi, Varude, Gulani, Wafgaon, Jawulke, Rase, Dattawadi, Shel Pimpalgaon, Bhose, Daundkarwadi, Gosasi, Mitgudwadi, Kanhur Mesai, Khairewadi and Khairenagar. The scientists of ICAR-DOGR provided scientific information to the farmers about improved technology of onion and garlic time to time. Total 15 Demonstrations on *kharif* onion crop of ICAR-DOGR varieties were conducted in the villages adopted in this scheme. In total, 43 meetings of scientists with villagers were organized and information about various schemes related to agriculture was provided to the villagers. Awareness was imparted on the importance of cleanliness by group of scientists in the villages adopted under *Mera Gaon Mera Gaurav* programme. Total 9 training programmes on different topics such as; pest and disease management, *rabi* onion harvesting and storage, post-harvest management, *kharif* onion cultivation, nursery preparation, etc. were organized in the adopted villages. The scientists of ICAR-DOGR were in constant touch with the villagers and visited identified villages to address various technical issues in cultivation of various crops by the farmers. The programme organized on 20th Foundation Day (16 June, 2017) of ICAR-DOGR at the Directorate was attended by 40 progressive farmers from adopted villages under *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme. In the programme, a lecture on advanced cultivation technologies of onion and garlic was delivered by Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist. They were also shown the onion and garlic activities being carried out at the Directorate.

गणतंत्र दिवस समारोह

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे में पूरे हर्षोल्लास के साथ दिनांक 26 जनवरी, 2017 को 68वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यकारी), भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे ने राष्ट्र ध्वज फहराया। अपने सम्बोधन में डॉ. महाजन ने देश के लिए महान नेताओं द्वारा किए गए त्याग को याद किया और स्टाफ से उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हुए सहयोग एवं एकता के साथ निदेशालय की प्रगति में समर्पण भाव से अपना कार्य करके योगदान करने का आह्वान किया।

Republic Day celebrated

ICAR-DOGR celebrated 68th Republic Day on 26 January, 2017 with great joy. Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting), ICAR-DOGR hoisted the national flag. In his speech, Dr. Mahajan reminded the sacrifices made by the great leaders for the country and asked all the staff to get inspired by their work and devotion and contribute in progress of the Directorate with cooperation and unity.

डॉ. टी. जानकीराम, सहायक महानिदेशक (बागवानी), भाकृअनुप द्वारा निदेशालय के मोबाईल ऐप का शुभारम्भ

संस्थानों से किसानों व अन्य लाभान्वितों तक सूचना हस्तांतरण में आईसीटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और कृषि में इसका महत्व दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। इस दिशा में भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा मोबाईल के माध्यम से कहीं अधिक किसानों तक प्याज व लहसुन की खेती के संबंध में जानकारी का प्रसार करने का प्रयास किया गया। भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे द्वारा एक मोबाईल ऐप विकसित किया गया जिससे किसान, निदेशालय के बारे में, निदेशालय द्वारा विकसित उन्नत प्याज व लहसुन की खेती रीतियों, प्याज व लहसुन की विकसित किस्मों व उनकी अनूठी विशेषताओं के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और इसके माध्यम से किसानों को हर माह के लिए परामर्श सेवा भी दी जाती है ताकि उन्हें मासिक आधार पर जलवायु परिवर्तन के आधार पर सचेत किया जा सके। विकसित प्रौद्योगिकियों के साथ साथ स्थान तथा सम्पर्क नम्बरों की जानकारी सुलभ कराई गई है। डॉ. टी. जानकीराम, सहायक महानिदेशक (बागवानी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 4 फरवरी, 2017 को भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे में आयोजित कार्यक्रम में यह

ICAR-DOGR Mobile App launched by Dr. T. Janakiram, ADG (Horticulture)

ICTs play a key role in transfer of the information from the institutes to the farmers and other beneficiaries and their importance in Agriculture is increasing day by day. In this direction ICAR-DOGR has made an attempt to disseminate the information on onion and garlic cultivation to more farmers through their mobile. ICAR-DOGR has developed a Mobile App in which the farmers can readily access the information on the Directorate, improved onion and garlic cultivation practices, onion and garlic varieties developed by the Directorate and their unique characteristics, monthly advisory to keep the farmers alert based on the monthly climatic changes and technologies developed, besides the information on location and contact numbers. The Mobile App of the ICAR-DOGR compiled and edited by Dr. Vijay Mahajan, Dr. Kalyani Gorrepati and Dr. S.S. Gadge was launched by Dr. T. Janakiram, ADG (Horticulture) on 4 February, 2017 at ICAR-DOGR,

मोबाईल ऐप को जारी किया गया। इसमें शामिल जानकारी का संकलन एवं सम्पादन डॉ. विजय महाजन; डॉ. कल्याणी गोरेपति एवं डॉ. एस.एस. गाडगे द्वारा किया गया। डॉ. टी. जानकीराम ने किसानों व हितधारकों को लाभ पहुंचाने और मोबाईल ऐप के रूप में एक अन्य उपलब्धि के माध्यम से निदेशालय की दृश्य परिणामकारकता को बढ़ाने की दिशा में निदेशालय द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इस मोबाइल ऐप को दो भाषाओं यथा हिन्दी व अंग्रेजी में तैयार किया गया है और भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा इसमें लगातार सुधार करने और इसे विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। डॉ. जानकीराम ने निदेशालय के प्रदर्शनी एवं संचार केन्द्र, प्रयोगशालाओं एवं प्रक्षेत्र का भी दौरा किया।

निदेशालय की 19वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

डॉ. वाई.एस. नेरकर, पूर्व कुलपति, एमपीकेवी, राहुरी की अध्यक्षता में दिनांक 27–18 मार्च, 2017 को राजगुरूनगर में भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की उन्नीसवीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। समिति के अन्य सदस्यों में शामिल थे : डॉ. सी.एस. पाठक, सलाहकार – सब्जी अनुसंधान, नाथ बायो जीन्स लि., औरंगाबाद; डॉ. आर.पी. गुप्ता, पूर्व निदेशक, एनएचआरडीएफ एवं मुख्य परामर्शक (एमआईडीएच), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली; डॉ. आर. श्रीनिवासन, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक (भाकृअनुप), पूर्व प्रोफेसर एवं परियोजना निदेशक, राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; श्री सूर्यकान्त पलाण्डे, पूर्व विधायक, शिरूर, जिला पुणे; डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यकारी), भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय। इस बैठक में भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिक गण – डॉ. ए.जे. गुप्ता, डॉ. एस.एस. गाडगे, डॉ. एस.जे. गावंडे, डॉ. एस. आनन्दन, डॉ. ए. थंगासामी, श्रीमती अश्विनी बेनके, डॉ. वनिता सालुंखे, डॉ. प्रांजलि घोडके, डॉ. वी. करूपैया, डॉ. सौम्या, पी.एस., श्री योगेश खाडे

Rajgurunagar. Dr. T. Janakiram appreciated efforts of the Directorate to benefit the farmers/stakeholders and augment the visibility of the Directorate through another mile-stone in the form of Mobile App. The Mobile App is made in two languages (English and Hindi) and ICAR-DOGR will make efforts for continuous improvement and also to make it available in different languages. Dr. Janakiram also visited Exhibition-cum-Communication Centre, laboratories and farm of the Directorate.

19th Research Advisory Committee Meeting of Directorate

The nineteenth Research Advisory Committee meeting of ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research was held during 17-18 March, 2017 at Rajgurunagar under the chairmanship of Dr. Y.S. Nerkar, Former Vice Chancellor, MPKV, Rahuri. Other members; Dr. C.S. Pathak, Advisor-Vegetable Research, Nath Bio-Genes (I) Ltd., Aurangabad, Dr. R.P. Gupta, Ex-Director, NHRDF & Chief Consultant (MIDH), Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India, Krishi Bhawan, New Delhi, Dr. R. Srinivasan, Emeritus Scientist (ICAR), Former Professor & Project Director, NRC Plant Biotechnology, IARI, New Delhi, Mr. Suryakant Palande, Ex-MLA, Shirur, Dist. Pune, Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting), ICAR-DOGR and scientists of ICAR-DOGR; Dr. A. J. Gupta, Dr. S. S. Gadge, Dr. S. J. Gawande, Dr. S. Anandhan, Dr. A. Thangasamy, Mrs. Ashwini Benke, Dr. Vanita Salunkhe,

एवं श्री कुलदीप ने भी भाग लिया। डॉ. विजय महाजन ने अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए वर्ष के दौरान हासिल की गईं प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। डॉ. ए.जे. गुप्ता, सदस्य सचिव ने 18वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की सिफारिशों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की । संबंधित वैज्ञानिकों ने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में हुई प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों ने प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए विस्तार में परिणामों पर चर्चा की और अनेक सुझाव दिए। डॉ. एस.एस. गाडगे एवं डॉ. एस. आनन्दन द्वारा अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में रॅपोर्टीयर की भूमिका का निर्वहन किया गया। अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों ने संस्थान के खेत एवं प्रयोगशाला परीक्षणों का भी अवलोकन किया। सदस्यगण भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के कार्य से संतुष्ट थे।

डॉ. मेजर सिंह ने निदेशक का पदभार ग्रहण किया

डॉ. मेजर सिंह ने दिनांक 13 अप्रैल, 2017 को भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे के निदेशक का पदभार ग्रहण किया। डॉ. मेजर सिंह का जन्म 20 जून, 1960 को हुआ। इससे पहले वह परियोजना समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित सब्जी फसलों पर अनुसंधान परियोजना, भाकृअनुप–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पद पर कार्यरत थे। डॉ. मेजर सिंह, कृषि अनुसंधान विशेषकर सब्जी प्रजनन एवं जैव प्रौद्योगिकी में अपने योगदान के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हैं। इन्होंने अपनी एम.एससी. (कृषि) की शिक्षा गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर से और आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन में पीएच.डी. की शिक्षा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, हिसार से ग्रहण की। इन्होंने पिछले 30 वर्षों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। इनके कार्य को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया है। नि:संदेह इनके कुशल मार्गदर्शन एवं सहयोग से भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय लामान्वित होगा।

Dr. Pranjali Ghodke, Dr. V. Karuppaiah, Dr. Soumia P. S., Mr. Yogesh Khade and Mr. Kuldip participated in the meeting. Dr. Vijay Mahajan welcomed the Chairman and members of RAC and highlighted the achievements made during the year. Dr. A. J. Gupta, Member Secretary presented the Action Taken Report on the 18th RAC recommendations. The progress made in various research projects was presented by the respective scientists. The Chairman and members of the RAC critically reviewed the progress, discussed the results in detail and made several recommendations. Dr. S. S. Gadge and Dr. S. Anandhan were rapporteurs for RAC meeting. The members of RAC also visited field and laboratory experiments. They were satisfied with the work of the ICAR-DOGR.

Dr. Major Singh assumed the charge of Director

Dr. Major Singh (20 June 1960) assumed the charge of Director, ICAR-DOGR on 13 April, 2017. Earlier he was Project Coordinator, All India Coordinated Research Project on Vegetable Crops, ICAR-IIVR, Varanasi. Dr. Major Singh is known nationally and internationally for his contribution to agricultural research particularly in vegetable breeding and biotechnology. He did M. Sc. Agriculture from GB Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar and Ph.D. in Genetics and Plant Breeding from CCS University, Hisar. He has been serving ICAR for last 30 years in various capacities. His work has been published in reputed national and international journals. ICAR-DOGR will surely be benefited by his able guidance and support.

कर्मचारी कल्याण समिति द्वारा नए निदेशक का स्वागत

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय कर्मचारियों की ओर से कर्मचारी कल्याण समिति द्वारा अपने नए निदेशक, डॉ. मेजर सिंह का स्वागत किया गया। डॉ. विजय महाजन, पूर्व कार्यकारी निदेशक, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने नए निदेशक का स्वागत करते हुए उन्हें कर्मचारियों की ओर से शुभकामनाएं दीं। डॉ. मेजर सिंह ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए निदेशालय, किसानों व राष्ट्र के कल्याण के लिए अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

Staff Welfare Committee welcomes new Director

On behalf of the ICAR- DOGR staffs, Staff Welfare Committee welcomed new Director, Dr. Major Singh. Former Acting Director, ICAR- DOGR, Dr. Vijay Mahajan welcomed the new Director and gave best wishes on behalf of the staff. Dr. Major Singh addressed the staff and assured his full support for the welfare of the institute, farmers and nation.

पद्मश्री डॉ. के.एल. चड्ढ़ा एवं सहायक महानिदेशक (बागवानी) डॉ. डब्ल्यू.एस. ढ़िल्लों का दौरा

पदमश्री डॉ. के.एल. चड्ढ़ा एवं पूर्व उप महानिदेशक (बागवानी) एवं अध्यक्ष, इंडिया सोसायटी ऑफ हॉर्टिकल्चर, नई दिल्ली ने डॉ. डब्ल्यू.एस. ढ़िल्लों, सहायक महानिदेशक (बागवानी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के साथ दिनांक 1 मई, 2017 को भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय का दौरा किया। डॉ. मेजर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने अतिथिगणों का स्वागत करते हुए उन्हें निदेशालय के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और निदेशालय और किसानों के कल्याण के लिए सम्यक गतिविधियों हेतु सभी जरूरी कदम उठाने का आश्वासन दिया। डॉ. विजय महाजन, प्रधान वैज्ञानिक ने निदेशालय के बारे संक्षिप्त जानकारी देते हुए इसकी उपलब्धियों के बारे में बताया। डॉ. के.एल. चड्ढ़ा जो कि एक प्रतिष्ठित बागवानी विशेषज्ञ एवं दूरदृष्टा हैं और आठवीं योजना में राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र के रूप में इस केन्द्र को प्रारंभ करने में प्रमुख व्यक्ति थे, द्वारा इस निदेशालय की उत्पत्ति के बारे में तथा इसे वर्तमान स्वरूप में लाने में किए गए प्रयासों के बारे में संक्षिप्त रूप से जानकारी दी गई। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों और स्टाफ से किसानों व राष्ट्र के कल्याण के लिए पूरे उत्साह के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही भविष्य में किसी भी

Visit of Padma Shree Dr. K. L. Chaddha and ADG (Hort.) Dr. W. S. Dhillon

Padma Shree Dr. K. L. Chaddha, Ex-DDG (Horticulture) and President, India Society of Horticulture, New Delhi, visited ICAR-DOGR on 1 May, 2017 along with ADG (Hort.), ICAR, New Delhi. Dr. Major Singh, Director, ICAR-DOGR, welcomed the dignitaries and gave brief introduction and assured to take necessary steps for overall activities for the benefit of the Directorate and the farmers. Dr. Vijay Mahajan, Principal Scientist, briefed about the directorate and its achievements. Dr. K. L. Chaddha, a renowned horticulturist and visionary, who was the key person to initiate this centre as NRC in VIII Plan, briefed about the origin of this Directorate and efforts he made to bring in present shape. He encouraged young scientists and staff to work together with zeal for the benefit of the farmers and country and showed his keen interest for further guidance and support in future. He was concerned about the food security and increasing the productivity.

प्रकार के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए अपनी सेवाएं देने की रूचि प्रकट की। डॉ. चड्ढ़ा ने खाद्य सुरक्षा और उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया। डॉ. डब्ल्यू. एस. ढ़िल्लों, सहायक महानिदेशक (बागवानी) ने अपने सम्बोधन में अनुसंधान के क्षेत्र में मूल्यवान सुझाव दिए और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने फसल के महत्व पर बल देते हुए आर्थिक रूप से व्यावहारिक भण्डारण संरचनाओं के विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए कहा। इस अवसर पर, अतिथिगणों द्वारा दो तकनीकी पत्रिकाएं; प्याज पौधशाला प्रबंधन (हिंदी) व कांदा रोपवाटिकेचे व्यवस्थापन (मराठी) जारी की गई। तदुपरान्त दोनों अतिथिगणों ने निदेशालय की प्रयोगशालाओं एवं अनुसंधान प्रक्षेत्र का दौरा किया और निदेशालय की गतिविधियों तथा उपलब्धियों की सराहना की। डॉ. एस.एस. गाडगे द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ ही बैठक सम्पन्न हुई।

20वीं संस्थान अनुसंधान परिषद बैठक

20वीं संस्थान अनुसंधान परिषद बैठक का आयोजन दिनांक 9 मई, 2017 को भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे में निदेशालय के निदेशक महोदय डॉ. मेजर सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक में निदेशालय के वैज्ञानिकों द्वारा अपनी संबंधित परियोजनाओं की प्रगति प्रतिवेदन एवं प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। चालू अनुसंधान कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण अन्तराल के बारे में विस्तार से चर्चा की गई और तकनीकी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया जिन्हें समुचित संशोधनों के साथ अनुमोदित किया गया।

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में स्वच्छ भारत पखवाड़ा

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत दिनांक 16–31 मई, 2017 के दौरान

Dr. W.S. Dhillon, ADG (Hort.), in his address gave valuable suggestions in the area of research and assured full support from ICAR. He emphasized about the importance of the crop and to focus on the development of economically viable storage structures. On this occasion two technical folders *viz.,* Pyaj Paudhshala Prabandhan (Hindi) and Kanda Ropvatikeche Vyavasthapan (Marathi) were released by the dignitaries. Later both the dignitaries visited laboratories and research farm and appreciated about the activities and achievements of this Directorate. Meeting was ended with vote of thanks by Dr. S.S. Gadge and National Anthem.

20th Institute Research Council (IRC) meeting

The 20th Institute Research Council (IRC) meeting was held on 9 May, 2017 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar under the chairmanship of Dr. Major Singh, Director. Scientists of the Directorate presented the progress reports and salient achievements of the projects in the meetings. The critical gaps in the ongoing research programmes were discussed at length and the technical programmes were finalized, which were approved with appropriate modifications.

ICAR-DOGR celebrated Swachh Bharat Pakhwara

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune observed Swachh Bharat Pakhwara (Clean India Fortnight) under Swachh Bharat Abhiyan during 16 – 31 May,

स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनाया गया। इस अवधि में निदेशालय परिसर के भीतर स्वच्छता कार्य किए गए। मेरा गांव–मेरा गौरव परियोजना के अंतर्गत निदेशालय द्वारा अंगीकृत किए गए गांवों में वैज्ञानिक टीमों द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य, अपशिष्ट निपटान आदि के महत्व पर जागरूकता का सृजन किया गया। ग्रामीणों को शामिल करके इन गांवों के सार्वजनिक स्थलों पर सफाई कार्य किए गए। निदेशालय परिसर में स्वच्छता संबंधी डिस्पले बोर्ड प्रदर्शित किए गए। निदेशालय का भ्रमण करने वाले किसानों, अधिकारियों व छात्रों को भी स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूक किया गया।

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में स्थापना दिवस समारोह

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे द्वारा दिनांक 16 जून, 2017 को अपना 20वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस समारोह में भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के वर्तमान एवं पूर्व कर्मचारियों के अलावा, मेरा गांव–मेरा गौरव परियोजना के अंतर्गत निदेशालय द्वारा अंगीकृत किए गए गांवों के कुल 40 प्रगतिशील किसानों ने भी भाग लिया। डॉ. के.ई. लवांडे, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय एवं पूर्व कुलपति, बीएसकेकेवी, दापोली स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे जबकि डॉ. एस.डी. सावंत, निदेशक, भाकृअनुप–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पुणे; डॉ. के.वी. प्रसाद, निदेशक, भाकृअनुप–पुष्पविज्ञान अनुसंधान निदेशालय, पुणे एवं डॉ. लाखन सिंह, निदेशक, भाकृअनुप–अटारी, पुणे सम्माननीय अतिथियों में शामिल थे। डॉ. विजय महाजन, कार्यकारी निदेशक, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने अतिथियों का स्वागत किया और निदेशालय की उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। मुख्य अतिथि एवं सम्माननीय अतिथियों ने निदेशालय द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की और निदेशालय के कर्मचारियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर प्याज व लहसुन की खेती करने वाले पांच प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। निदेशालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय का प्रकाशन ''कांदा साठवण''(मराठी) जारी किया गया। किसानों को लाभ पहुंचाने के प्रयोजन से डॉ. एस.एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) द्वारा प्याज व लहसुन की उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों पर एक वार्ता प्रस्तुत की गई। किसानों को निदेशालय में चलाई जा रहीं प्याज व लहसुन संबंधी गतिविधियों को भी दिखाया गया। डॉ. एस.एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

2017. During the period, cleaning activities were carried out within premises of the Directorate. Awareness was imparted on the importance of cleanliness, hygiene, waste disposal, etc. through various training programmes conducted by the groups of scientists in the villages adopted under Mera Gaon Mera Gaurav scheme. Cleaning activities were carried out at the public places of these villages by involving the villagers. Display boards with quotes of cleanliness were displayed at the campus. Awareness of Swachh Bharat Abhiyan was also extended to the farmers, officers and students visiting the Directorate.

ICAR-DOGR celebrated Foundation Day

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar celebrated its 20th Foundation Day on 16 June, 2017. Besides the present and past ICAR-DOGR staff, the programme was attended by 40 progressive farmers from ICAR-DOGR adopted villages under *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme. Dr. K. E. Lawande, Ex-Director, ICAR-DOGR & Ex-Vice Chancellor, BSKKV, Dapoli was the Chief Guest and Dr. S. D. Sawant, Director, ICAR-NRC Grapes, Pune, Dr. K. V. Prasad, ICAR-DFR, Pune and Dr. Lakhan Singh, Director, ICAR-ATARI, Pune were the guests of honour. Dr. Vijay Mahajan, Acting Director, ICAR-DOGR welcomed the guests and summarized ICAR-DOGR achievements. The Chief Guest and guests of honour appreciated the work being done by the Directorate and congratulated the staff. Five progressive farmers of onion and garlic were felicitated on this occasion. Retired employees of the Directorate were also felicitated for their services to the Directorate. ICAR-DOGR publication "Kanda Sathvan'' (Marathi) was also released on this occasion. A talk on advanced cultivation technologies of onion and garlic was delivered by Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist (Agricultural Extension) for the benefit of the farmers. They were also shown the onion and garlic activities being carried out at the Directorate. Dr. Gadge expressed vote of thanks at the end of the programme.

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे में दिनांक 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें निदेशालय के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री यशवन्त बोम्बले, योग अनुदेशक, पतंजलि योग पीठ द्वारा योग के बारे में बताया गया। योग अनुदेशक श्री किरण काम्बले और श्रीमती सुप्रिया काम्बले ने विभिन्न योगासन करने में कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। डॉ. विजय महाजन, कार्यकारी निदेशक, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योग के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया। इसके उपरान्त 45 मिनट तक योगाभ्यास कराया गया जिसमें योग अनुदेशकों की निगरानी में कर्मचारी सदस्यों, आरए, एसआरएफ ने विभिन्न योग आसन किए।

ICAR-DOGR celebrated International Yoga Day

The International Yoga Day was organized at ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune on 21 June, 2017 in which all staff members participated. Yoga lesson was delivered by Shri Yashwant Bombale, Yoga Instructor, Patanjali Yog Peeth. Yoga instructors Mr. Kiran Kamble and Mrs. Supriya Kamble guided the staff about performing different Yogasanas. After welcoming the guests, Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting) spoke briefly on importance of Yoga. This was followed by 45 minutes yoga practice in which various yoga asana were performed by the staff members, RA, SRF under the supervision of the yoga instructors.

प्रशिक्षणों का आयोजन / Trainings organized

प्रशिक्षण का विषय Topic of Training	द्वारा प्रायोजित Sponsored by	दिनांक एवं आयोजन स्थल Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
प्याज एवं लहसुन की व्यावसायिक खेती Commercial cultivation of onion and garlic	जनजातीय उप–योजना, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	3–4 जनवरी, 2017 सावरट एवं निंबोनी 3-4 January, 2017 Savrat and Nibhoni	नन्दुरबार से 155 किसान 155 farmers from Nandurbar
प्याज में नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन Pest and disease management in onion	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	7 जनवरी, 2017 कान्हुर मेसाई 7 January, 2017 Kanhur Mesai	पुणे जिले से 50 किसान 50 farmers from District Pune
प्याज में नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन Pest and disease management in onion	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	6 फरवरी, 2017 गडाकवाडी 6 February, 2017Gadakwadi	पुणे जिले से 28 किसान 28 farmers from District Pune
प्याज एवं लहसुन की खेती Onion and Garlic Cultivation	परियोजना निदेशक, आत्मा, खंडवा Project Director, ATMA, Khandwa	7 मार्च, 2017 भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे 7 March, 2017 ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	खंडवा (मध्य प्रदेश) से 45 किसान 45 farmers from Khandwa (M.P.)

प्रशिक्षण का विषय Topic of Training	द्वारा प्रायोजित Sponsored by	दिनांक एवं आयोजन स्थल Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
रबी प्याज का खुदाई एवं भण्डारण प्रबंधन *Rabi* onion harvesting and storage management	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	20 मार्च, 2017 जवुलके 20 March, 2017 Jawulke	पुणे जिले से 36 किसान 36 farmers from District Pune
प्याज का भण्डारण Onion storage	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	4 अप्रैल, 2017 वरूडे 4 April, 2017 Varude	पुणे जिले से 32 किसान 32 farmers from District Pune
प्याज का खुदाई उपरान्त प्रबंधन Post-harvest management of onion	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	7 अप्रैल, 2017 गुलानी 7 April, 2017Gulani	पुणे जिले से 27 किसान 27 farmers from District Pune
प्याज की खुदाई एवं भण्डारण Onion harvesting and storage	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	11 अप्रैल, 2017 दौंडकरवाडी 11 April, 2017 Daundkarwadi	पुणे जिले से 30 किसान 30 farmers from District Pune
खरीफ प्याज की खेती तकनीक *Kharif* onion cultivation technology	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	12 मई, 2017 वाफगांव 12 May, 2017 Wafgaon	पुणे जिले से 34 किसान 34 farmers from District Pune
खरीफ प्याज की पौधशाला तैयार करना Nursery preparation of *kharif* onion	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	26 मई, 2017 गोसासी 26 May, 2017Gosasi	पुणे जिले से 29 किसान 29 farmers from District Pune
खरीफ प्याज का पौधशाला प्रबंधन *Kharif* onion nursery management	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	12 जून, 2017 खैरेनगर 12 June, 2017 Khairenagar	पुणे जिले से 37 किसान 37 farmers from District Pune
प्याज एवं लहसुन की उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियां Advanced cultivation technologies of onion and garlic	मेरा गांव–मेरा गौरव, भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	16 जून, 2017 भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे 16 June, 2017 ICR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	पुणे जिले से 40 किसान 40 farmers from District Pune

प्रदर्शनियों में सहभाग/Participation in Exhibitions

प्रदर्शनी Exhibition	आयोजक Organizer	दिनांक Date	आयोजन स्थल Venue
ग्लोबल कृषि प्रदर्शनी 2017 Global Agri Exhibition 2017	कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणगांव KVK, Narayangaon	6–8 जनवरी, 2017 6-8 January, 2017	नारायणगांव Narayangaon
विज्ञान दिवस Science Day	मीटरवेव रेडियो टेलिस्कोप, टाटा इंस्टिटयूट ऑफ फण्डामेन्टल रिसर्च, खोडद, नारायणगांव Giant Metrewave Radio Telescope, Tata Institute of Fundamental Research, Khodad, Narayangaon	28 फरवरी 1 मार्च, 2017 28 February-1 March, 2017	जीएमआरटी, टीआईएफआर, खोडद, नारायणगांव GMRT, TIFR, Khodad, Narayangaon

प्रदर्शनी Exhibition	आयोजक Organizer	दिनांक Date	आयोजन स्थल Venue
कृषि उन्नति मेला 2017 Krishi Unnati Mela 2017	भाकृअनुप–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा कैम्पस, नई दिल्ली Indian Agricultural Research Institute, Pusa Campus, New Delhi	15–17 मार्च, 2017 15-17 March, 2017	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली IARI, New Delhi

मानव संसाधन विकास/Human Resource Development

प्रशिक्षण/Trainings

नाम व पदनाम Name and Designation	प्रशिक्षण का शीर्षक Title of Training	दिनांक Date	आयोजन स्थल Venue
डॉ. एस. एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. S. S. Gadge Senior Scientist	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानव संसाधन विकास नोडल अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दक्षता संवर्धन कार्यक्रम पर प्रशिक्षण Training on Competency Enhancement Programme for Effective Implementation of Training Functions by HRD Nodal Officers of ICAR	13–15 फरवरी, 2017 13-15 February, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad
डॉ. ए. थंगासामी, वैज्ञानिक (वरिष्ठ वेतनमान) Dr. A. Thangasamy Scientist (Sr. Scale)	जलवायु परिवर्तन प्रभाव आकलन में फसल अनुकरण मॉडल्स पर प्रशिक्षण Training on Crop Simulation Models in Climate Change Impact Assessment	14–18 फरवरी, 2017 14-18 February, 2017	भाकृअनुप–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल ICAR-IISS, Bhopal
श्री डी. बी. मुंढरीकर, निदेशक के निजी सचिव Mr. D. B. Mundharikar PS to Director	प्रभावशीलता एवं व्यवहार दक्षता संवर्धन पर प्रशिक्षण Training on Enhancing efficiency and behaviourial skills	4–10 जनवरी, 2017 4-10 January, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad

सम्मेलन/संगोष्ठी/सेमिनार/कार्यशाला एवं समूह बैठकें
Conferences/Symposiums/Seminars/Workshops/Group Meetings

डॉ. मेजर सिंह, निदेशक Dr. Major Singh, Director	स्वास्थ्य, प्रगति व खुशहाली के लिए अनार पर द्वितीय राष्ट्रीय सेमिनार व किसान मेला 2nd National Seminar-Cum-Farmers Fair on Pomegranate for Health, Growth and Prosperity	28–30 अप्रैल, 2017 28-30 April, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर ICAR-NRCP, Solapur
	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की अध्यक्षता में बागवानी विज्ञान के साथ EFC finalization meeting with Horticulture Science (SMD) under the chairmanship of Director General, ICAR, New Delhi	12 मई, 2017 12 May, 2017	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ICAR, New Delhi
	निक्रा की ईएफसी बैठक EFC meeting of NICRA	16–21 जून, 2017 16-21 June, 2017	भाकृअनुप–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी ICAR-IIVR, Varanasi

डॉ. वी. महाजन Dr. V. Mahajan	कृषि उद्योग बैठक Agri-Industry Meet	11–12 जनवरी, 2017 11-12 January, 2017	नीमच Neemuch
	सदस्य के रूप में सीएएस की मूल्यांकन समिति Assessment Committee for CAS as a member	01 फरवरी, 2017 1 February, 2017	कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल, नई दिल्ली ASRB, New Delhi
	निदेशक सम्मेलन Directors' Conference	14–15 फरवरी, 2017 14-15 February, 2017	नई दिल्ली New Delhi
	'कौशल विकास से कृषि विकास' पर कार्यशाला Regional workshop on skill development in agriculture 'Kaushal Vikas se Krishi Vikas'	20 फरवरी, 2017 20 February, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद ICAR-NAARM, Hyderabad
	सब्जियों विशेषकर प्याज के ग्लट प्रबंधन व मूल्य उतार–चढ़ाव पर राज्य स्तरीय सेमिनार State Level Seminar on Glut management and price volatility of vegetables especially in onion	12 अप्रैल, 2017 12 April, 2017	एनएचआरडीएफ, नासिक NHRDF, Nashik
	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती, महाराष्ट्र का स्थापना दिवस कार्यक्रम Foundation Day Programme of NIASM, Baramati	13 अप्रैल, 2017 13 April, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati
डॉ. ए. जे. गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक Dr. A. J. Gupta, Principal Scientist	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी तथा यूएएस, बंगलुरू द्वारा आयोजित 13वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस 2017 XIII Agricultural Science Congress 2017 organized by National Academy of Agricultural Sciences and UAS, Bengaluru	21–23 फरवरी, 2017 21-23 Feb, 2017	बंगलुरू Bengaluru
	डीयूएस परीक्षण केन्द्रों की 11वीं समीक्षा बैठक 11th Review Meeting of DUS Test Centres	27–28 फरवरी, 2017 27-28 Feb, 2017	आईजीकेवी, रायपुर IGKV, Raipur
	किसानों की आय को बढ़ाने के लिए कृषि में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों व इनोवेशन्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन National Conference on Technological Changes & Innovations in Agriculture for Enhancing Farmers' Income	27–29 मई, 2017 27-29 May, 2017	जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ JAU, Junagarh
डॉ. एस. एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist	बागवानी इनोवेशन के माध्यम से उत्पादन वृद्धि पर कार्यशाला Workshop on Increase in production through horticultural innovations	16 जनवरी, 2017 16 January, 2017	कमीशनोरेट ऑफ एग्रीकल्चर, पुणे Commission orate of Agriculture, Pune
	वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने पर राज्य स्तरीय समन्वयन समिति की पहली बैठक 1st Meeting of State Level Coordination Committee for Doubling farmers' income by 2022	3 अप्रैल, 2017 3 April, 2017	कृषि महाविद्यालय, पुणे College of Agriculture, Pune
	वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने पर राज्य स्तरीय समन्वयन समिति की दूसरी बैठक 2nd Meeting of State Level Coordination Committee for Doubling farmers' income by 2022	27 अप्रैल, 2017 27 April, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पुणे ICAR-NRC-Grapes, Pune
	कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणगांव की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक Scientific Advisory Committee Meeting of KVK, Narayangaon	2 मई, 2017 2 May, 2017	कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणगांव KVK, Narayangaon

	किसानों की आय को बढ़ाने के लिए कृषि में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों व इनोवेशन्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन National Conference on Technological Changes & Innovations in Agriculture for Enhancing Farmers' Income	27–29 मई, 2017 27-29 May, 2017	जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ JAU, Junagarh
डॉ. एस. आनन्दन, वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. S. Anandhan, Senior Scientist	जैव प्रौद्योगिकी विषय में तकनीकी कर्मचारियों के मूल्यांकन के लिए हुए डीपीसी में सदस्य के रूप में उपस्थित Attended as Member of DPC for assessment of technical staff in the discipline of Biotechnology	28 फरवरी, 2017 28 February, 2017	भाकृअनुप – राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati
	'प्रौद्योगिकियों के साथ जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीवों के विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में 'सूक्ष्म जीवों की विविधता के विश्लेषण के लिए आधुनिक आण्विक दृष्टिकोन' पर प्रस्तुति Presentation on 'Modern molecular approaches for analysis of composition and microbial diversity in agro-ecosystem' in National Conference on 'Biology and Microbes – Evolution along Technologies'	25 अप्रैल, 2017 25 April, 2017	जेएसएस विश्वविद्यालय, मैसूर JSS University, Mysore
डॉ. ए. थंगासामी, वैज्ञानिक Dr. A. Thangasamy, Scientist	कृषि में अजैविक दबाव का प्रबंधन भावी अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए रोडमैप पर विशेषज्ञ परामर्शी बैठक Experts' Consultation meeting on Management of Abiotic Stress in Agriculture: Roadmap for Future Research and Education	30–31 जनवरी, 2017 30-31 January, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati
	निक्रा के तकनीकी कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने पर कार्यशाला NICRA technical programme finalization workshop	17 जून, 2017 17 June, 2017	भाकृअनुप–आईआईवीआर, वाराणसी ICAR-IIVR, Varanasi
डॉ. वी. करूपैया, वैज्ञानिक Dr. V. Karuppaiah, Scientist	खाद्य एवं कृषि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन International Conference on Food and Agriculture	20–22 फरवरी, 2017 20-22 February, 2017	जेएनयू, नई दिल्ली JNU, New Delhi
डॉ. प्रांजलि एच घोडके, वैज्ञानिक Dr. Pranjali H Ghodke, Scientist	कृषि में अजैविक दबाव का प्रबंधन भावी अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए रोडमैप पर विशेषज्ञ परामर्शी बैठक Experts' Consultation meeting on Management of abiotic stress in agriculture: roadmap for future research and education	30–31 जनवरी, 2017 30-31 January, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati,
श्री शीतांशु कुमार, प्रशासनिक अधिकारी Mr. Shitanshu Kumar, Administrative Officer	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती का स्थापना दिवस कार्यक्रम Foundation Day Programme of NIASM, Baramati	13 अप्रैल, 2017 13 April, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati
श्री डी. बी. मुंढरीकर, निदेशक के निजी सचिव Mr. D. B. Mundharikar, P.A. to Director	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती का स्थापना दिवस कार्यक्रम Foundation Day Programme of NIASM, Baramati	13 अप्रैल, 2017 13 April, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati
श्रीमती विजया ए. भुमकर Mrs. Vijaya A. Bhumkar	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती का स्थापना दिवस कार्यक्रम Foundation Day Programme of NIASM, Baramati	13 अप्रैल, 2017 13 April, 2017	भाकृअनुप–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती ICAR-NIASM, Baramati

कार्मिक/Personnel

डॉ. विजय महाजन
प्रधान वैज्ञानिक(बागवानी) ने दिनांक 01 नवम्बर, 2016 से 12 अप्रैल, 2017 की अवधि में निदेशक (कार्यकारी) का पदभार ग्रहण किया।

Dr. Vijay Mahajan
Principal Scientist (Horticulture) assumed the charge of Director (Acting) from 1 November, 2016 to 12 April, 2017.

डॉ. मेजर सिंह
ने दिनांक 13 अप्रैल, 2017 को निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

Dr. Major Singh
Assumed the charge of Director from 13 April, 2017.

डॉ. एस.जे. गावंडे
वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) को दिनांक 01 जनवरी, 2016 से प्रधान वैज्ञानिक के रूप में पदोन्नत किया गया।

Dr. S. J. Gawande
Promoted from Senior Scientist (Plant Pathology) to Principal Scientist (Plant Pathology) from 1 January, 2016.

डॉ. वनिता एन. सालुंखे
वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) को दिनांक 31 मई, 2017 को सीआईसीआर, नागपुर में स्थानान्तरित किया गया।

Dr. Vanita N. Salunkhe
Scientist (Plant Pathology) transferred to CICR, Nagpur on 31 May, 2017.

डॉ. किरण पी. भगत
वैज्ञानिक (पादप कार्यिकी) ने दिनांक 29 मई, 2017 को पदभार ग्रहण किया।

Dr. Kiran P. Bhagat
Scientist (Plant Physiology) joined on 29 May, 2017.

श्री सुनील कुमार
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का स्थानान्तरण दिनांक 3 अप्रैल, 2017 को सिरकॉट, मुम्बई में किया गया।

Mr. Sunil Kumar
Senior Administrative Officer transferred to CIRCOT, Mumbai on 3 April, 2017.

श्री शीतांशु कुमार
ने दिनांक 3 अप्रैल, 2017 को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

Mr. Shitanshu Kumar
Joined as Administrative Officer on 3 April, 2017.

श्री निलेश वारकर
कनिष्ठ लिपिक की दिनांक 25 मार्च, 2017 से वरिष्ठ लिपिक के पद पर पदोन्नति की गई।

Mr. Nilesh Warkar
Promoted from Lower Division Clerk to Upper Division Clerk from 25 March, 2017.

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय
राजगुरूनगर, पुणे–410 505, **महाराष्ट्र, भारत**
दूरभाष: 02135- 222026, 222697, फैक्स: 02135- 224056 ईमेल: director.dogr@icar.gov.in
वेब: http://www.dogr.res.in

ICAR–Directorate of Onion and Garlic Research
Rajgurunagar – 410 505, Pune, Maharashtra, India
Phone: 02135–222026, 222697 Fax: 02135–224056 E-mail: director.dogr@icar.gov.in
Website : http//www.dogr.res.in

Designed & Printed by: Anson Advertising & Marketing, Pune. Tel.: 24213244 Fax: 24210013 Email: ansonorama@gmail.com